32.0°
अधिकतम
21.0°
न्यूनतम

www.twitter.com/
worldkhabarexpress

www.facebook.com/
worldkhabarexpress

www.youtube.com/
worldkhabarexpress

WORLD
खबरें एक्सप्रेस

सीएसए के इंजीनियरिंग कॉलेज की कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा मनाया गया नूतन वर्ष

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की कंप्यूटर लैब में कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा नव वर्ष के स्वागत हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा का कशफ खान, श्वेता दुबे, नीरजा शर्मा, मलीहा खानम, मनीष सहाय द्वारा पुष्प पुंज देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात अधिष्ठाता ने केक काटकर नए वर्ष का आगाज किया। कार्यक्रम में सभी कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा अधिष्ठाता द्वारा महाविद्यालय के हित में किए जा रहे कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की। और उनके कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। अधिष्ठाता महोदय ने भी कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा दिए जा रहे सहयोग की प्रशंसा की। कार्यक्रम में मोहम्मद हुसैन, मान सिंह, बृजेंद्र कुमार, हरि किशोर तिवारी ने अपना सहयोग प्रदान किया।

शनार्थ
पया
99, या
.knp@
नें ।

वर्ष-18 अंक-68 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, गुरूवार 02 जनवरी 2025

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI No.- UPHIN/2007/27090

सीएसए के इंजीनियरिंग कॉलेज की कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा मनाया गया नूतन वर्ष

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की कंप्यूटर लैब में कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा नव वर्ष के स्वागत हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा का कशफ खान, श्वेता दुबे, नीरजा शर्मा, मलीहा खानम, मनीष सहाय द्वारा पुष्प पुंज देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात अधिष्ठाता ने केक काटकर नए वर्ष का आगाज किया। कार्यक्रम में सभी कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा अधिष्ठाता द्वारा महाविद्यालय के हित में किए जा रहे कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की। और उनके कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। अधिष्ठाता महोदय ने भी कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा दिए जा रहे सहयोग की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में मोहम्मद हुसैन, मान सिंह, बृजेंद्र कुमार, हरि किशोर तिवारी ने अपना सहयोग प्रदान किया।

वर्ष : 17 अंक : 02 लखनऊ गुरुवार, 2 जनवरी 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

सीएसए के इंजीनियरिंग कॉलेज की कंप्यूटर फैकल्टी ने मनाया नूतन वर्ष

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की कंप्यूटर लैब में कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा नव वर्ष के स्वागत के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे केक काटकर नए वर्ष का आगाज किया गया। कार्यक्रम में सभी कंप्यूटर फैकल्टी द्वारा अधिष्ठाता एन के शर्मा ने महाविद्यालय के हित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और उनके कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।

दैनिक जागरण 02/01/2025

अब सब्जियों की फसल पर मंडराया झुलसा रोग का खतरा

जासं, कानपुर : सर्दी का असर बढ़ने के साथ ही अब आलू, टमाटर जैसी फसलों में झुलसा रोग की आशंका बढ़ गई है। लगातार कोहरा और धुंध की स्थिति में झुलसा के साथ ही मटर की फसल में पाउडरी मिल्डयू यानी चूरा फफूंद का भी खतरा है। कृषि विज्ञानियों ने मौसम और फसल दोनों पर नजर रखने की सलाह दी है।

पहाड़ों से आ रही सर्द हवा और समुद्र की नम हवा ने वातावरण में कुहासा और बादल की मौजूदगी बढ़ा दी है। बुधवार को दोपहर बाद धूप निकल आई, लेकिन पिछले दो दिन तक मौसम में धुंध और कोहरा छाया रहा है। बादलों के आने की वजह से धूप नहीं निकली और दिन का तापमान घटकर 14 डिग्री पर पहुंच गया। इस मौसम के लगातार बने रहने और धूप नहीं निकलने से पाला पड़ने के आसार बनने लगे थे। कृषि विज्ञानियों के अनुसार इससे फसलों में विभिन्न रोगों के उत्पन्न होने का खतरा बढ़ गया है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सब्जी अनुसंधान केंद्र के आलू विज्ञानी डा. अजय कुमार यादव ने बताया कि मौसम बदलने के साथ आलू की फसल में झुलसा रोग का खतरा बढ़ गया है। इस रोग में आलू के पौधों की पत्तियां भूरी पड़कर सड़ने लगती हैं। दिन का तापमान 15 डिग्री सेंटीग्रेड और रात का तापमान आठ डिग्री सेंटीग्रेड के आसपास रहे और आर्द्रता का स्तर 75 के आसपास रहने पर सब्जियों की फसलों, आलू, मिर्चा, टमाटर, बैंगन में झुलसा रोग लगने का खतरा है। मटर की फसल में चूर्णन फफूंद का खतरा है।

आलू की पत्तियों पर झुलसा रोग का प्रकोप • संस्थान

इन दवाओं का करें प्रयोग

शीत ऋतु में होने वाले रोगों से बचने के लिए किसानों को खेत की निगरानी करनी चाहिए। दो दिन से ज्यादा दिन में धूप नहीं निकलती है तो फसल पर बीमारियों के रोग का लक्षण देखकर दवाओं का प्रयोग करें। जिन क्षेत्रों में अभी झुलसा रोग नहीं आया है, वहां पर पहले ही मैंकोजेब, प्रोपीनेजब, क्लोरोथेलोनील दवा का 0.25 प्रतिशत प्रति हजार लीटर की दर से छिड़काव तुरंत करें। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में यह बीमारी फसल में लग चुकी है उनमें साइमोक्सेनिल, मैंकोजेब या फिनेमिडोन मैंकोजेब दवा को 3.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

धुंआ से भी मिलेगी राहत : सर्दी में रोग से बचाव के लिए खेतों में नमी बनाए रखना भी एक उपाय है। हल्की सिंचाई की जरूरत है। खेत में धुंआ करने से भी फसलों में रोग का बचाव हो सकता है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता